संस्थान सांख्यिकी

1994 – 95

वार्षिक परियोजना रिपोर्ट

(योजना एवं प्रबन्ध विभाग)

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

अल्मोड़ा

संरक्षक :

डा० कृष्णावतार पाण्डेय
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,
उत्तर - प्रदेश, लखनऊ ।

प्रकाशक एवं संयोजक :

श्री लक्ष्मीदत्त भट्ट
प्राचार्य
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अल्मोड़ा

श्री हरीश चन्द्र पाठक
उपाचार्य
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अल्मोड़ा

प्रस्तुतकर्ता :

श्री भैरवदत्त उपाध्याय
(योजना एवं प्रबन्ध विभाग)

सहयोग :

कुमुद मोहन जोशी
खीम सिंह नेगी

सम्पादन सहयोग :

डा० रमेश चन्द्र पाण्डेय

NIEPA DC
D08831

प्राक्कथन

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अल्मोड़ा के योजना एवं प्रबन्ध विभाग द्वारा १९९४-९५ के लिए बनाई गई कार्य-योजना के तहत जनपद के सभी चौदह विकास खण्डों से विभिन्न शैक्षिक आँकड़े इस पुस्तिका में संग्रहीत किये गये हैं । इन महत्व-पूर्ण आँकड़ों के संग्रह से जहाँ एक ओर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों व शोध परक कार्यों में सहायता मिलेगी वहीं दूसरी ओर ये आँकड़े शिक्षा विभाग के नियोजकों को भी सहायता पहुँचायेंगे ।

"संस्थान संख्यिकी' नाम से प्रकाशित यह पुस्तिका प्राथमिक विद्यालयों के नियोजन, प्रबन्धन एवं संचालन सम्बन्धी कमियों के निराकरण के लिए भी सहायक सिद्ध होगी ।

इस कार्य हेतु मैं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा के उपाचार्य श्री हरीशचन्द्र पाठक, नियोजन एवं प्रबन्ध विभाग के श्री भैरवदत्त उपाध्याय, कार्यानुभव विभाग के डा० रमेश चन्द्र पाण्डेय सेवा पूर्व शिक्षक प्रशिक्षण विभाग के श्री कुमुद मोहन जोशी तथा जिला संसाधन इकाई विभाग के श्री खीमसिंह नेगी के प्रति आभारी हूं, जिनके परिश्रम से यह कार्य सम्पादित हो पाया । साथ ही मैं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उप विद्यालय निरीक्षक, सभी प्रति उप विद्यालय निरीक्षकों तथा बेसिक शिक्षा परिषद के कार्यालय में कार्यरत उन सभी कर्मचारियों का आभारी हूं, जिन्होंने इस पुस्तिका हेतु आँकड़े उपलब्ध करने में अपना सहयोग प्रदान किया है ।

(लक्ष्मीदत्त भट्ट)
प्राचार्य
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अल्मोड़ा

5424
371.146
ALM-S

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No D-8831
Date 28-09-95

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अल्मोड़ा द्वारा वर्ष १९९४-९५ के लिए शैक्षिक परियोजना की संक्षिप्त रूपरेखा

इस परियोजना के अन्तर्गत अल्मोड़ा जिले के १४ विकास खण्डों के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला–पुरुष शिक्षकों एवं केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या के अनुसार उपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है ।

आवश्यकता :- शिक्षा के सार्वजनीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने, शिक्षकोंकी आवश्यक मापदण्डों के अनुसार नियुक्ति, शिक्षण के स्तर में गिरावट, निजी विद्यालयों की ओर जनता का झुकाव इत्यादि कई कारण हैं, जिनकी जाँच के लिए इस परियोजना के निर्माण की आवश्यकता पड़ी ।

उद्देश्य :- शिक्षा के सार्वजनीकरण एवं "सबके लिये शिक्षा" की अवधारणा एवं लक्ष्य पूर्ति हेतु आवश्यक जानकारी संग्रहीत करना तथा सर्वेक्षण से प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण एवं मूल्यांकन करते हुए प्राप्त तथ्यों का उपयोग भविष्य की योजनाओं में करना व अच्छे परिणामों को प्राप्त करना ।

परिकल्पना :- ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति, "आपरेशन ब्लैक बोर्ड" के अधीन सुझाये गये निर्देशों के अनुरूप शिक्षकों की व्यवस्था, विद्यालयों में निर्दिष्ट मापदण्डों का पालन, ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शैक्षिक स्तर में गिरावट इत्यादि बिन्दुओं को इस परियोजना की परिकल्पना में सम्मिलित किया गया है ।

परिसीमन :- इस परियोजना में जनपद के समस्त प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों को विकास खण्डों के अनुसार अध्ययन हेतु सम्मिलित किया गया है । निजी विद्यालय इस परियोजना में सम्मिलित नहीं हैं ।

कार्य विधि :- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उप विद्यालय निरीक्षक कार्यालय व प्रति उप विद्यालय निरीक्षकों के सहयोग से संस्थान में उपलब्ध आंकड़ों/तथ्यों को संग्रहीत करने हेतु निर्धारित प्रपत्र का प्रयोग कर विश्लेषणात्मक तथ्यों की जानकारी सारिणी बनाने में की गई । प्राप्त विवरणों का प्रयोग भविष्य की परियोजनाओं में किया जायेगा ।

समयावधि :- परियोजना मार्च १९९५ तक पूर्ण की गई ।

सर्वेक्षण कर्ता :- योजना एवं प्रबन्ध विभाग, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा ।

सहयोग :- सेवा पूर्व विभाग, कार्यानुभव विभाग एवं जिला संसाधन इकाई ।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के योजना एवं प्रबन्ध विभाग द्वारा निर्धारित परियोजना का क्रियान्वयन करते समय परियोजना में निर्धारित उद्देश्यों, आवश्यकताओं एव परिकल्पनाओं की आपूर्ति के लिये परियोजना में उल्लिखित कार्यविधि को ही अपनाया गया । परियोजना का परिसीमन भी उन्हीं तथ्यों पर आधारित है । परियोजना की पूर्ति के लिए जिस कार्य विधि को अपनाया गया, वह इस प्रकार है –

परियोजना को क्रियात्मक रूप देने के लिए योजना व प्रबन्ध विभाग द्वारा तथ्यों को संकलित करने के लिये एक प्रपत्र तैयार किया गया । प्रपत्र की तैयारी के बाद संस्थान के सेवा पूर्व, जिला संसाधन इकाई व कार्यानुभव विभाग से सम्बन्धित शिक्षकों की सहायता लेकर जिला बेसिक शिक्षा

अधिकारी के कार्यालय, बेसिक कार्यालय, उप विद्यालय निरीक्षक व प्रति उप विद्यालय निरक्षकों से सम्पर्क व पूछताछ से आवश्यक तथ्यों को पूर्ति की गई। तथ्यों की सही जानकारी के लिए हर सम्भव प्रयत्न किया गया।

हर सम्भव प्रयत्न करने के पश्चात भी जनपद की विशालता एवं अभिलेखों की अस्पष्टता व सम्बन्धित कर्मचारी से सम्पर्क न होने के कारण पूर्ण आँकड़े प्राप्त करने में कठिनाई हुई फिर भी प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों से सम्बन्धित आंकड़े लगभग पूरे कहे जा सकते हैं। केवल कुछ अस्थाई व स्थाई मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों को सूची बद्ध नहीं किया जा सका है।

सर्वेक्षण प्रपत्र का प्रारूप इस प्रकार बनाया गया

(अ) क्रियात्मक शोध/सर्वेक्षण प्रपत्र वर्ष १९९४–९५ :–

क्रम संख्या	प्राथमिक विद्यालय का नाम	केन्द्रीय विद्यालय का नाम	शिक्षकों की संख्या पुरूष	महिला	योग	उच्च प्राथमिक विद्यालय का नाम	शिक्षकों की संख्या पुरूष	महिला	योग	विशेष
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११

(ब) तथ्य संग्रह :– सुविधा की दृष्टि से प्रपत्रों को विकास खण्डों में बाँटा गया तथा प्रत्येक विकास खण्ड के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों संकुल के अन्तर्गत रखकर दर्शाया गया, जिसे केन्द्रीय विद्यालय के नाम से संबोधित किया गया।

(स) तथ्यों को तालिका बद्ध करना :– प्राप्त सूचियों को संग्रहीत करने के बाद उन्हें सूची बद्ध सारणियों/किया गया। प्राप्त आंकडों को पुनः विभिन्न सारणियों के माध्यम से दर्शाया गया। प्रत्येक तथ्यों को अलग-अलग सारणियों के माध्यम से दिखाने का प्रयास किया गया है ताकि पाठक को सहजता से जनपद्र की प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित आँकड़े प्राप्त हो जाँय। समस्त सूचियों का विस्तार भय के कारण प्रस्तुत करना संभव नहीं है अतः सभी तथ्यों को यथा सम्भव अलग-अलग सारणियों के माध्यम से दिखाया गया है। समस्त सारणियों को दो वर्गों में बाँटा गया है। प्रथम भाग "क" में जनपद की प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों से सम्बन्धित सूचनायें सारणी बद्ध की गई है। द्वितीय भाग "ख" में विकास खण्डों के अनुसार केन्द्रीय विद्यालयों [सकुल] के अनुसार प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों का विवरण स्पष्ट किया गया है।

भाग–"क"

(१) जनपद अल्मोड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित संक्षिप्त विवरण तालिका :–

जनपद का नाम	क्षेत्रफल	जनसंख्या १९९२ के अनुसार	विकास खण्डों की संख्या	प्राथमिक विद्यालयों की संख्या मान्यता प्राप्त सहित	उन प्राथमिक विद्यालयों की सं० जिनके आँकडे उपलब्ध हुए।	उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या क्रमोतर मान्यता प्राप्त व राजकीय सहित	उन उच्च प्रा० क्रमोतर व राजकीय विद्यालयों की संख्या जिनके आँकडे उपलब्ध हुए	विशेष
१	२	३	४	५	६	७	८	९
अल्मोड़ा	५३८५ वर्ग कि. मी.	८,२४०००	१४	१५८२	१५३७	२३३	२३३	शहरी क्षेत्रों के विद्यालय सम्मिलित नहीं है।

(२) एक शिक्षक वाले प्राथमिक विद्यालयों की संख्या विकास खण्डों के अनुसार

ताकुला	गरुड़	बागेश्वर	हवालबाग	कपकोट	भैसियाछाना	धौलादेवी
०१	१४	०७	०४	२२	०३	१३
लमगड़ा	**भिकियासैंण**	**स्याल्दे**	**सल्ट**	**चौखुटिया**	**ताड़ीखेत**	**द्वाराहाट**
०७	०५	१७	०७	०४	०९	१०

(३) जनपद में स्थित विकास खण्डों के अनुसार प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति :-

विकास खण्ड का नाम	केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या	प्राथमिक विद्यालयों की संख्या	शिक्षकों की संख्या		
			पुरुष	महिला	योग
१	२	३	४	५	६
१– हवालबाग	०९	१०९	९२	२०५	२९७
२– ताकुला	०९	९९	१३१	१२३	२५४
३– गरुड़	०९	१०१	१५९	६६	२२५
४– बागेश्वर	१४	१३२	१९४	१३२	३२६
५– कपकोट	१३	१६४	२६४	७६	३४०
६– भैंसियाछाना	०८	७७	११८	४८	१६६
७– धौलादेवी	१०	१२१	१५१	९८	२४९
८– लमगड़ा	०८	९७	१२३	९१	२१४
९– भिकियासैंण	११	९२	१७५	२९	२०४
१०– स्याल्दे	१२	१०४	१९३	२२	२१५
११– सल्ट	०९	१२३	२७८	२२	३००
१२– चौखुटिया	०६	९१	१६८	४३	२११
१३– ताड़ीखेत	१२	११८	१७६	१०१	२७७
१४– द्वाराहाट	१०	१०९	१७८	९७	२७५

(४) जनपद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों का विवरण विकास खण्डों के अनुसार :-

विकास खण्ड का नाम	उच्च प्रा० विद्यालयों की संख्या	शिक्षकों की संख्या		
		पुरूष	महिला	योग
१	२	३	४	५
१– हवालबाग	१५	४३	२१	६४
२– ताकुला	१८	६३	१८	८१
३– गरूड़	१३	३४	१४	४८
४– बागेश्वर	१८	६६	०७	७३
५– कपकोट	२६	९८	०५	१०३
६– भैंसियाछाना	१०	३९	०३	४२
७– धौलादेवी	२०	७४	०४	७८
८– लमगड़ा	१७	७५	०१	७६
९– भिकियासैंण	१३	५१	—	५२
१०– स्याल्दे	१२	४८	०५	५३
११– सल्ट	१९	८६	०३	८९
१२– चौखुटिया	१४	४३	१२	५५
१३– ताड़ीखेत	१९	६८	१३	८१
१४– द्वाराहाट	१९	७१	०९	८०

(५) पाँच से कम व अधिक शिक्षकों वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों का विवरण विकास खण्डों के अनुसार :–

क्र.सं. विकास खण्ड का नाम	पाँच से कम एक शिक्षकीय	दो शिक्षकीय	तीन शिक्षकीय	चार शिक्षकीय	छः से अधिक छः शिक्षकीय	सात शिक्षकीय
१ २	३	४	५	६	७	८
१– हवालबाग	–	–	०४	०३	–	–
२– ताकुला	–	०१	०१	०४	-	–
३– गरूड़	०१	०२	०५	–	०१	०१
४– बागेश्वर	–	०१	०४	०६	–	–
५– कपकोट	०१	०२	०३	११	–	–
६– भैंसियाछाना	–	–	–	०३	–	–
७– धौलादेवी	–	०२	०४	०८	–	–
८– लमगड़ा	–	–	०४	०९	–	–
९ - भिकियासैंण	–	–	०९	०३	–	–
१०– स्याल्दे	–	–	–	०३	–	–
११– सल्ट	–	–	०३	०२	०२	–
१२– चौखुटिया	०१	०१	०४	–	–	–
१३– ताड़ीखेत	–	०३	–	०१	०४	–
१४– द्वाराहाट	–	०२	०३	०४	०१	–

(६) जनपद कीं प्राथमिक शिक्षा [ग्रामीण] में महिला व पुरुष शिक्षकों का प्रतिशत व महिला शिक्षकीं का अनुपात :–

महिला शिक्षकों की संख्या	पुरुष शिक्षकों की संख्या	कुल शिक्षकों पुरुष + महिला की संख्या	शिक्षकों महिला का प्रतिशत	पुरुष शिक्षकों का प्रतिशत	पुरुष व महिला शिक्षकों में अनुपात
१	२	३	४	५	६
११५३	२४००	३५५३	३२.४५	६७.५४	२:१

(७) जनपद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला व पुरुष शिक्षकों का अनुपात व प्रतिशत :–

महिला शिक्षकों की संख्या	पुरुष शिक्षकों की संख्या	कुल शिक्षकों की संख्या	महिलाओं का प्रतिशत	पुरुषों का प्रतिशत	पुरुष व महिला शिक्षकों में अनुपात
१	२	३	४	५	६
११५	८६०	९७५	१०.७६	८९.२३	३:१

(७) प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला व पुरुष शिक्षकों का प्रतिशत व अनुपात :–

		प्राथमिक विद्यालय			उच्च प्राथमिक विद्यालय		
क्र.सं.	विकास खण्डों का नाम	महिला शिक्षकों का प्रतिशत	पुरुष शिक्षकों का प्रतिशत	पुरुष/महिला में अनुपात	महिला शिक्षकों का प्रतिशत	पुरुष शिक्षकों का प्रतिशत	पुरुष/महिला शिक्षकों में अनुपात
१	२	३	४	५	६	७	८
१–	हवालबाग	६९.०२	३०.९७	१:२	३२.८१	६७.१८	२:१
२–	ताकुला	४८.४२	५१.५७	१:१	२२.२२	७७.७७	७:२
३–	गरूड़	२९.३३	७०.६१	२:१	२९.१६	७०.८३	२:१
४–	बागेश्वर	४०.४९	५९.५०	३:२	०९.५८	९०.४१	३:१
५–	कपकोट	२२.३५	७७.६४	७:२	०४.८५	९५.१४	१९:१
६–	भैंसियाछाना	२८.९१	७१.०८	५:२	०७.१४	९२.८५	१३:१
७–	धौलादेवी	३९.३५	६०.६४	३:२	०५.४०	९४.८७	१८:१
८–	लमगड़ा	४२.५२	५७.४७	७:५	०१.३१	९८.६८	७५:१
९–	भिकियासैंण	१४.२१	८५.७८	६:१	–	१००%	५२:००
१०–	स्याल्दे	१०.२३	८९.७६	९:१	०९.४३	९०.५६	१०:१
११–	सल्ट	०७.३३	९२.६६	१२:१	०३.३७	९६.६२	२८.१
१२–	चौखुटिया	२०.३७	७९.६२	४:१	२१.८१	७८.१८	०३:१
१३–	ताड़ीखेत	३६.४६	६३.६३	८:५	१६.०४	८३.९५	४:१
१४–	द्वाराहाट	३५.२७	६४.७२	९:५	१६.२५	८८.७५	८:१

भाग – "क"

१– सारणी एक में ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति को जनपद अलमोड़ा की जनसंख्या एवं उसके क्षेत्रफल को ध्यान में रखकर देखा गया है। जनपद के बेसिक कार्यालय के अभिलेख के अनुसार प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या क्रमशः १५८२ व २३३ है, जिसमें सभी मान्यता प्राप्त स्थाई विद्यालय सम्मिलित हैं। जो आँकड़े उपलब्ध हुए हैं, उनमें प्राथमिक के १५३७ व उच्च प्राथमिक के २३३ विद्यालय हैं।

२– सारणी दो में जनपद के प्राथमिक विद्यालयों की वह स्थिति स्पष्ट की गई है, जिसमें केवल एक अध्यापक कार्यरत है। इस प्रकार के विद्यालयों में सबसे अधिक संख्या विकास खण्ड कपकोट में है। जहाँ एक अध्यापक वाले विद्यालयों की संख्या ४२ है। सबसे कम एक विद्यालय विकास खण्ड ताकुला में है।

३– सारणी तीन में जनपद में प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति विकास खण्डों के अनुसार दिखाई गई है। सारणी के अध्ययन से पता चलता है जनपद में सबसे अधिक विद्यालय विकास खण्ड कपकोट में १६४ हैं। शिक्षकों की सबसे अधिक संख्या भी कपकोट विकास में ३४० है। दूसरी ओर महिला शिक्षकों की सबसे अधिक संख्या हवालबाग विकास खण्ड में है और सबसे कम महिला शिक्षक स्याल्दे व सल्ट विकास खण्ड में हैं। सबसे कम पुरूष शिक्षक हवालबाग विकास खण्ड में हैं।

४– सारणी चार में उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति स्पष्ट है। सारणी में सबसे अधिक विद्यालय कपकोट विकास खण्ड में हैं। सबसे अधिक शिक्षकों की संख्या भी कपकोट विकास खण्ड में ही है। सबसे अधिक पुरूष शिक्षक भी कपकोट विकास खण्ड में ही हैं। सबसे अधिक महिला शिक्षकों की संख्या हवालबाग विकास खण्ड में २१ है। सबसे कम शून्य महिला शिक्षक भिकियासैण में हैं। सबसे कम विद्यालय भैसियाछाना व स्याल्दे विकास खण्ड में हैं।

५– सारणी पाँच में उन उच्च प्राथमिक विद्यालयों का उल्लेख विकास खण्ड के अनुसार है, जहाँ पर पाँच से कम और छः या उससे अधिक शिक्षक कार्यरत हैं। जनपद में उच्च प्राथमिक विद्यालय जिसमें एक मात्र शिक्षक कार्यरत हैं उनकी संख्या – ३ हैं। दो शिक्षक वाले सबसे अधिक विद्यालय तीन ताड़ीखेत विकास खण्ड में हैं। तीन शिक्षक वाले विद्यालयों में सबसे अधिक ६ विद्यालय विकास खण्ड भिकियासैंण में हैं। ४ शिक्षक वाले सबसे अधिक ११ विद्यालय विकास खण्ड कपकोट में हैं। ६ शिक्षकों वाले सबसे अधिक ४ विद्यालय ताड़ीखेत विकास खण्ड में व ७ शिक्षकों वाला एक विद्यालय गरूड़ विकास खण्ड में हैं।

६– सारणी छः में जनपद की प्राथमिक शिक्षा में महिला व पुरूषों का योगदान प्रतिशत में दर्शाया गया है। जनपद में ग्रामीण क्षेत्रों में महिला/पुरूष का अनुपात लगभग १:२ है।

७– सारणी सात में उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला/पुरूष का अनुपात दिखाया गया है, जिससे ज्ञात होता है की उच्च प्राथमिक शिक्षा में पुरूष/महिला का अनुपात लगभग ३:१ का है।

८– सारणी आठ में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विकास खण्डों के अनुसार पुरूष व महिला शिक्षकों का प्रतिशत व अनुपात दिखाया गया है। सारणी से ज्ञात होता है कि जनपद के सभी विकास खण्डों में केवल हवालबाग विकास खण्ड को छोड़कर महिलाओं का प्रतिशत ५० से कम है। सबसे कम ७.३३% सल्ट ब्लाक में है। लगभग बराबर अनुपात ताकुला विकास खण्ड में है। उच्च प्राथमिक शिक्षा में भी महिलाओं का प्रतिशत बहुत कम है। सबसे अधिक ३२.८१% हवालबाग विकास खण्ड में है सबसे कम शून्य प्रतिशत भिकियासैण में है। अनुपात देखने से भी महिला शिक्षकों की स्थिति बहुत खराब दीखती है।

भाग – ख

१– विकास खण्ड – हवालबाग –

क्र. सं. केन्द्रीय वि. (संकुल)	प्राथमिक				उच्च प्राथमिक			
	कुल वि०	पुरुष	महिला	योग	कुल वि०	पुरुष	महिला	योग
१- प्रा. पा. खत्याड़ी	२०	०५	५७	६२	०४	१३	०३	१६
२- प्रा. पा. चितई	०८	०१	२३	२४	०२	०३	०४	०७
३- प्रा. पा. जूड़कफून	०७	०५	१३	१८	–	–	–	–
४- प्रा. पा. डीनापानी	०४	०२	११	१३	–	–	–	–
५- प्रा. पा. कठपुड़िया	२३	२८	३१	५९	०३	१५	–	१५
६- प्रा. पा. दौलाघट	१५	२०	१४	३४	०२	०५	०३	०८
७- प्रा. पा. महतगाँव	१८	०८	४२	५०	०३	०२	११	१३
८- प्रा. पा. ग्वालाकोट	१४	२३	१४	३७	०१	०५	–	०५
९-								

२– विकास खण्ड - ताकुला

क्र. सं केन्द्रीय वि. (संकुल)	प्राथमिक				उच्च प्राथमिक			
	कुल वि०	पुरुष	महिला	योग	कुल वि.	पुरुष	महिला	योग
१– प्रा. पा. डोटियाल गाँव	०९	१०	११	२१	०२	०५	०५	१०
२– प्रा. पा. पाळड़ीछीना	१५	२४	२२	४६	०४	१७	–	१७
३– प्रा पा. खाँकर	१३	१९	१२	३१	०३	१०	०४	१४
४– प्रा. पा. बसौली	१६	१४	२५	३९	०२	०७	–	०७
५– प्रा. पा. सोमेश्वर	०७	१२	०९	२१	०१	०५	–	०५
६– प्रा पा. दड़मिया	११	१६	०८	२४	०१	–	०४	०४
७– प्रा. पा. सलौंज	०७	१२	११	२३	०१	०५	–	०५
८– प्रा. पा. भैंसड़गाँव	०७	१३	०८	२१	०१	०५	–	०५
९– प्रा. पा. वृषमेश्वर	१४	१७	१८	३५	०३	०९	०५	१४

३– विकास खण्ड – गरूड़

क्र० सं० केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	प्राथमिक				उच्चप्राथमिक			
	विद्यालयों की संख्या	महिला	पुरुष	योग	वि० की संख्या	पुरुष	महिला	योग
१– प्रा० पा० पाखली	०९	०९	११	२०	०३	१०	०६	१६
२– प्रा० पा० नौघर	१२	१३	१९	३२	–	–	–	–
३– प्रा० पा० गागरीगोल	११	१०	२२	३२	०३	०८	–	०८
४– प्रा० पा० बनतोली	०६	०३	१३	१६	–	–	–	–
५– प्रा० पा० मैगड़ीस्टेट	१०	०५	१४	१९	०१	०३	–	०३
६– प्रा० पा० वज्यूला	१५	०९	२७	३६	०४	१०	०६	१६
७– प्रा० पा० जखेड़ा	०९	–	१५	१५	–	–	–	–
८– प्रा० पा० सिलिंगबाड़ी	१६	०७	२३	३०	०२	०३	०२	०५
९– प्रा० पा० मन्यड़ा	१३	१०	१५	२५	–	–	–	–

४– विकास खण्ड – लमगड़ा

क्र. स. केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	प्राथमिक				उच्च प्राथमिक			
	विद्यालयों की संख्या	महिला	पुरुष	योग	वि. की सं.	महिला	पुरुष	योग
१– प्रा. पा. लमगड़ा	१०	१३	१३	२६	०३	११	–	११
२– प्रा. पा. जलना	१२	१७	१०	२७	०३	१३	–	१३
३– प्रा. पा. मेरगाँव	०९	०६	११	१७	०२	०८	–	०८
४– प्रा. पा. शहरफाटक	१४	१५	१८	३३	०१	०५	–	०५
५– प्रा. प्रा. देवीथल	११	०३	१९	२२	०३	१५	–	१५
६– प्रा. पा. जयन्ती	१८	०९	२६	३५	०१	०४	–	०४
७– प्रा. पा. बाँजधार	१०	०१	१८	१९	०१	०५	–	०५
८– प्रा. पा. ढौरा	१३	२७	०८	३५	०३	१४	०१	१५

५– विकासखण्ड – बागेश्वर

क्र.सं	केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	प्राथमिक				उच्च प्राथमिक			
		विद्यालयों की संख्या	महिला	पुरुष	योग	विद्यालयों की संख्या	पुरुष	महिला	योग
१–	प्रा. वि. बागेश्वर	१५	२४	१८	४२	०३	१४	—	१४
२–	प्रा. वि. क्वैराली	०७	०४	१३	१७	०१	०५	—	०५
३–	प्रा. वि. रवाँईखाल	०९	०८	१३	२१	०१	०५	—	०५
४–	प्रा. वि. आरे	०९	०८	१०	१८	०३	१६	—	१६
५–	प्रा. वि. मण्डलसेरा	११	१६	१७	३३	—	—	—	—
६–	प्रा. वि. स्यालडोबा	०८	०२	१६	१८	०३	०४	०२	०६
७–	प्रा. वि. दोफड़	१०	०७	१६	२३	०२	०३	०३	०६
८–	प्रा. वि. तुडेड़ माटलीकोट	०७	०३	१२	१५	—	—	—	—
९–	प्रा. वि. बनलेख	०६	०५	१२	१७	०१	०५	—	०५
१०–	प्रा. वि. घिंगारूतोला	०९	०८	१४	२२	—	—	—	—
११–	प्रा. वि. कांडा	१४	२२	१७	३९	०२	—	०८	०८
१२–	प्रा. वि. सानीउडियार	०७	०८	१३	२१	०१	०५	—	०५
१३-	प्रा. वि. देवतोली	०६	०७	०७	१४	०१	—	०२	०२
१४–	प्रा. वि. कमेड़ीदेवी	१४	१०	१६	२६	०१	०५	—	०५

६– विकासखण्ड – कपकोट

क्र.सं	केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	प्राथमिक: विद्यालयों की संख्या	प्राथमिक: महिला	प्राथमिक: पुरुष	प्राथमिक: योग	उच्च प्राथमिक: विद्यालयों की संख्या	उच्च प्राथमिक: पुरुष	उच्च प्राथमिक: महिला	उच्च प्राथमिक: योग
१–	प्रा. पा. कपकोट	१८	१८	२१	३९	०५	१४	०५	१९
२–	प्रा. पा. कर्मी	१०	०३	१७	२०	०१	०४	—	०४
३–	प्रा. पा. भरूं	११	०७	१९	२६	०२	१०	—	१०
४–	प्रा. पा. कापडी	१०	—	१७	१७	०२	०५	—	०५
५–	प्रा. पा. शमापन्याळी	१६	०५	२४	२९	०१	०२	—	०२
६–	प्रा. पा. सोराग	०६	०२	०७	०९	०३	१२	—	१२
७–	प्रा. पा. वदियाकोट	०८	—	१४	१४	—	—	—	—
८–	प्रा. पा. फरसाली वल्ली	०७	०६	१३	१९	०१	०५	—	०५
९–	प्रा. पा. हरसीला	१६	०४	२८	३२	०३	१२	—	१२
१०–	प्रा. पा. माजखेत	१६	०२	२९	३१	०२	०९	—	०९
११–	प्रा. पा. सौंग	१६	०९	२६	३५	०१	०४	—	०४
१२–	प्रा. पा. सनेती	१६	१०	२८	३८	०३	१३	—	१३
१३–	प्रा. पा. स्याकोट	१३	०७	२४	३१	०२	०८	—	०८
१४–									

७– विकास खण्ड – धौलादेवी

क्र० सं० केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	प्राथमिक				उच्चप्राथमिक			
	विद्यालयों की संख्या	पुरुष	महिला	योग	वि० की संख्या	पुरुष	महिला	योग
१– प्रा० पा० दन्या	१९	१९	२२	४१	०३	०९	०४	१३
२– प्रा० पा० धौलादेवी	१२	१०	११	२१	०१	०५	–	०५
३– प्रा० पा० खेती	१२	१३	१०	२३	०३	१२	–	१२
४– प्रा० पा० धूनाथल	१०	१४	०३	१७	०१	०५	–	०५
५– प्रा० पा० पनुवानौला	१३	१५	१४	२९	०३	११	–	११
६– प्रा० पा० भनोली	१३	२२	०५	२७	०३	११	–	११
७– प्रा० पा० चगेटी	०७	१४	०१	१५	०१	०५	–	०५
८– प्रा० पा० लघोली	१२	१३	१४	२७	–	–	–	–
९– प्रा० पा० ध्याड़ी	१४	२१	०७	२८	०१	०२	–	०२
१०- प्रा. पा. जागेश्वर	०९	१०	११	२१	०४	१४	–	१४

८– विकास खण्ड – भैंसियाछाना

क्र. सं. केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	प्राथमिक				उच्च प्राथमिक			
	विद्यालयों की संख्या	पुरुष	महिला	योग	वि. की सं.	पुरुष	महिला	योग
१– प्रा. पा. बाड़ेछीना	१३	१७	१४	३१	०२	०८	–	०८
२– प्रा. पा. पेटशाल	११	१३	१२	२५	०३	१०	०३	१३
३– प्रा. पा. धौलछीना	१०	१३	०६	१९	–	–	–	–
४– प्रा. पा. धौलनेली	०५	१०	–	१०	०२	०८	–	०८
५– प्रा. प्रा. कनारीछीना	०९	१५	०५	२०	–	–	–	–
६– प्रा. पा. धनचौरा	११	१६	०५	२१	०१	०३	–	०३
७– प्रा. पा. ओखली सिरोड़	०७	११	०५	१६	०१	०५	–	०५
८– प्रा. पा. बोहला	११	२३	०१	२४	०१	०५	–	०५

९– विकास खण्ड – द्वाराहाट

क्र० सं० केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	प्राथमिक				उच्चप्राथमिक			
	विद्यालयों की संख्या	पुरुष	महिला	योग	वि० की संख्या	पुरुष	महिला	योग
१– प्रा० पा० द्वाराहाट	२०	४३	२२	६५	०२	०८	—	०८
२– प्रा० पा० उम्याड़ी	१४	२१	१३	३४	०२	०४	०४	०८
३– प्रा० पा० असगोली	०५	०९	०२	११	०१	०२	—	०२
४– प्रा० पा० बटलिया	०९	१५	०४	१९	०१	०३	—	०३
५– प्रा० पा० विरोली	०६	०८	०५	१३	०१	०५	—	०५
६– प्रा० पा० बिन्ता	१०	१४	०७	२१	०२	१०	—	१०
७– प्रा० पा० बग्वालीपोखर	१४	२६	०९	३५	०२	१०	—	१०
८– प्रा० पा० कुवाली	१०	१७	०८	२५	०३	१२	—	१२
९– प्रा० पा० रियोनी	१६	२०	१८	३८	०४	१२	०५	१७
१०– प्रा. पा. जालली	०५	०९	०५	१४	०१	०५	—	०५

१०– विकास खण्ड – सल्ट

क्र. स. केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	प्राथमिक				उच्च प्राथमिक			
	विद्यालयों की संख्या	पुरुष	महिला	योग	वि. की सं.	पुरुष	महिला	योग
१– प्रा. पा. मछोड़	२५	५३	०३	५६	०५	२५	—	२५
२– प्रा. पा. हरड़ा	१०	२४	०३	२७	०१	०३	—	०३
३– प्रा. पा. भैरंगखाल	०७	१३	०१	१४	०१	०५	—	०५
४– प्रा. पा. देबायल	१२	३०	०१	३१	०२	१०	—	१०
५– प्रा. पा. पैमिया	१५	३३	०३	३६	०२	०८	—	०८
६– प्रा. पा. खमाड़	०८	२०	०१	२१	०१	०५	—	०५
७– प्रा. पा. बुड़ीधार	२२	४९	०४	५३	०२	१२	—	१२
८– प्रा. पा. ख्वैराला	२४	५६	०६	६२	०४	१८	—	१८
प्रा. उ. वि. मानिला	—	—	—	—	०१	—	०३	०३

११– विकासखण्ड – ताड़ीखेत

		प्राथमिक				उच्च प्राथमिक			
क्र.सं	केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	विद्यालयों की संख्या	पुरुष	महिला	योग	विद्यालयों की संख्या	पुरुष	महिला	योग
१–	प्रा. वि. बंगोड़ा	०८	१७	०१	१८	—	—	—	—
२–	प्रा. वि. दौड़ापानी	०८	१७	०१	१८	०२	१२	—	१२
३–	प्रा. वि. पौनी	१०	१८	०९	२७	०२	०८	—	०८
४–	प्रा. वि. ताड़ीखेत	१३	१९	१५	३४	०२	०५	०५	१०
५–	प्रा. वि. पनघट	०८	१४	०६	२०	०१	०५	—	०५
६–	प्रा. वि. बिल्लेख	१०	१८	०१	१९	०२	१०	—	१०
७–	प्रा. वि. सूरी	०६	११	०१	१२	—	—	—	—
८–	प्रा. वि. नौगाँव	०८	१०	०८	१८	०२	१०	—	१०
९–	प्रा. वि. चिलियानौला	१०	०६	२४	३०	०२	१०	—	१०
१०–	प्रा. वि. पातली	१०	०९	०९	१८	०२	०८	—	०८
११–	प्रा. वि. जैनोली	१८	२४	१८	४२	०२	१०	—	१०
१२–	प्रा. वि. चौकुनी	०९	१२	०९	२१	०१	०५	—	०५
१३–									
१४–									

१२– विकासखण्ड – स्याल्दे

क्र.सं	केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	प्राथमिक: विद्यालयों की संख्या	पुरुष	महिला	योग	उच्च प्राथमिक: विद्यालयों की संख्या	पुरुष	महिला	योग
१–	प्रा. वि. कुलान्टेश्वर	०७	१२	०१	१३	—	—	—	—
२–	प्रा. वि. सराईखेत	०९	१४	—	१४	०२	०८	—	०८
३–	प्रा. वि. चितौरखाल	०८	१३	—	१३	—	—	—	—
४–	प्रा. वि. गुमटी	१३	३१	—	३१	०२	११	—	११
५–	प्रा. वि. किचार	०५	१०	—	१०	—	—	—	—
६–	प्रा. वि. स्याल्दे	२१	४३	०७	५०	०२	१०	—	१०
७–	प्रा. वि. उदयपुर	०९	१७	०३	२०	—	—	—	—
८–	प्रा वि. देघाट	१३	२४	०६	३०	०३	०६	०५	११
९–	प्रा. वि. महरगाँव	०४	०८	—	१८	०२	०८	—	०८
१०–	प्रा. वि. चमयाड़ी-गाँजा	०६	०७	—	०७	—	—	—	—
११–	प्रा. वि. नगर-कोड़िया	०७	०९	—	०९	०१	०५	—	०५
१२–	प्रा. वि. जौरासी	०४	०५	०५	१०	—	—	—	—
१३–									
१४–									

१३– विकास खण्ड – चौखुटिया

क्र० सं० केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	विद्यालयों की संख्या	प्राथमिक पुरुष	प्राथमिक महिला	प्राथमिक योग	उच्चप्राथमिक वि० की संख्या	उच्चप्राथमिक पुरुष	उच्चप्राथमिक महिला	उच्चप्राथमिक योग
१– प्रा० वि० चौखुटिया	२२	३०	१३	५३	०४	१७	०१	१८
२– प्रा० वि० महाकालेश्वर	१०	२३	०३	२६	०१	०५	–	०५
३– प्रा० वि० गोदी	२१	३९	०६	४५	०२	०८	–	०८
४– प्रा० वि० रामपुर	०७	११	०७	१८	–	–	–	–
५– प्रा० वि० जैठुवा	१४	२७	०७	३४	०१	०५	–	०५
६– प्रा० वि० मासी प्राचीन	१७	२८	०७	३५	०३	०७	०१	०८
७–								

१४– विकास खण्ड – भिकियासैंण

क्र. स. केन्द्रीय विद्यालय (संकुल)	विद्यालयों की संख्या	प्राथमिक पुरुष	प्राथमिक महिला	प्राथमिक योग	उच्च प्राथमिक वि. की सं.	उच्च प्राथमिक पुरुष	उच्च प्राथमिक महिला	उच्च प्राथमिक योग
१– प्रा. वि. भिकियासैंण	१०	२०	०५	२५	०२	१०	–	१०
२– प्रा. वि. नौला	०९	११	०८	१९	०१	०४	–	०४
३– प्रा. वि. जीनापानी	१२	२१	–	२१	०१	०५	–	०५
४– प्रा. वि. हुडली	०७	१६	–	१६	–	–	–	–
५– प्रा. वि. सिनौड़ा	०६	१३	०२	१५	०३	०९	–	०९
६– प्रा. वि. बासोट	०८	१३	०२	१५	०१	०३	–	०३
७– प्रा. वि. दूनापानी	०५	०९	०२	११	०१	०४	–	०४
८– प्रा. वि. दन्तोली	०९	१६	०३	१९	–	–	–	–
९– प्रा. वि. तकुल्टी	१२	२७	०१	२८	०१	०५	–	०५
१०– प्रा. वि. पालीमन्या	०९	१९	०५	२४	०३	१२	–	१२
११– प्रा. वि. बाजन-बाटुला	०५	१०	–	१०	–	–	–	–

भाग "ख" में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति का विवरण विस्तृत रूप से विकास खण्ड में स्थित केन्द्रीय विद्यालयों के अनुसार किया गया है। सारणियों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :—

१— सारणी १— में विकास खण्ड हवालबाग में कुल आठ केन्द्रीय विद्यालय [संकुल] हैं। सबसे अधिक प्राथमिक विद्यालय २३ कठपुड़िया केन्द्र में और सबसे अधिक चार उच्च प्राथमिक विद्यालय खत्याड़ी केन्द्र में हैं। इसी प्रकार सबसे अधिक ५७ महिला शिक्षक भी खत्याड़ी केन्द्र में ही हैं।

२- सारणी २ में विकास खण्ड ताकुला का विवरण है। इसमें कुल नौ केन्द्रीय विद्यालय हैं, जिसमें सबसे अधिक १६ प्राथमिक विद्यालय बसौली केन्द्र में हैं। सबसे अधिक ४ उच्च प्राथमिक विद्यालय पालड़ीठीना केन्द्र में हैं। सबसे अधिक महिला शिक्षकों की संख्या प्राथमिक में २५ बसौली केन्द्र के विद्यालयों में तथा सबसे कम महिला शिक्षक ८ दड़मिया केन्द्र के अन्तर्गत हैं।

३— सारणी ३ में विकास खण्ड गरुड के अन्तर्गत सबसे अधिक प्राथमिक विद्यालय वज्यूला केन्द्र व सिलिंगबाड़ी केन्द्र के अन्तर्गत हैं। दोनों में १५ विद्यालय हैं। सबसे अधिक उच्च प्राथमिक विद्यालय ०४ वज्यूला केन्द्र में है। इसी विकास खण्ड के अन्तर्गत सबसे अधिक महिला शिक्षक १३ प्रा. पा. नौघर केन्द्र के अन्तर्गत हैं। प्रा. पा. जखेड़ा केन्द्र के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में एक भी महिला शिक्षका नहीं है।

४— सारणी ४ में लमगड़ा विकास खण्ड में सबसे अधिक १८ प्रा. वि. जयन्ती केन्द्र के अन्तर्गत हैं। सबसे अधिक उच्च प्राथमिक विद्यालय ०३ चार केन्द्रों के साथ सम्बद्ध हैं। सबसे अधिक महिला शिक्षक २७ प्रा. पा. ढौरा केन्द्र में हैं। सबसे कम महिला शिक्षक ०१ बाँजधार केन्द्र के अन्तर्गत हैं।

५— सारणी ५ में बागेश्वर विकास खण्ड की स्थिति दर्शायी गई है। विकास खण्ड में सबसे अधिक प्राथमिक विद्यालय १५ बागेश्वर १४ प्रा. वि. कांडा व प्रा. वि. कमेड़ीदेवी के अन्तर्गत हैं। सबसे अधिक उच्च प्राथमिक विद्यालय ०३ प्रा. वि. बागेश्वर, आरे व स्यालडोबा केन्द्र में सम्बद्ध हैं। प्रा० विद्यालयों में सबसे अधिक महिला शिक्षकों की संख्या २४ प्रा. वि. बागेश्वर केन्द्र के अन्तर्गत है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में से अधिकांश में महिलाओं की संख्या शून्य है।

६— सारणी ६ में विकास खण्ड कपकोट की स्थिति के विश्लेषण में से पता चलता है कि कपकोट केन्द्र में प्राथमिक विद्यालय हैं एवं सबसे अधिक शिक्षक भी वहीं कार्यरत हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय भी सबसे अधिक प्रा. वि. कपकोट केन्द्र के साथ सम्बद्ध हैं। सबसे अधिक महिला प्राथमिक विद्यालयों में १८ प्रा. पा. कपकोट केन्द्र के अन्तर्गत हैं। सबसे कम दो शिक्षकायें प्रा. पा. माजखेत केन्द्र में हैं।

७— सारणी ७ के अनुसार धौलादेवी विकास खण्ड में प्रा. पा. जागेश्वर केन्द्रीय विद्यालय के साथ ०४ उच्च प्राथमिक विद्यालय सम्बद्ध हैं। सबसे अधिक २२ महिला शिक्षक (प्राथमिक) प्रा. पा. दन्या केन्द्र के अन्तर्गत हैं। सबसे कम १ महिला शिक्षक प्रा. वि. चेगेठी केन्द्र में हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सबसे अधिक ०४ महिला शिक्षक प्रा. पा. दन्या केन्द्र के साथ सम्बद्ध हैं। अन्य केन्द्रों में महिला शिक्षकों की संख्या शून्य है।

८— सारणी ८ में विकास खण्ड भैंसियाछाना का विवरण स्पष्ट किया गया है। इस विकास खण्ड में केन्द्रीय विद्यालय प्रा. पा. बाड़ेछीना के अन्तर्गत सबसे अधिक विद्यालय हैं। सबसे अधिक उच्च प्राथमिक विद्यालय ०३ प्रा. पा. पेटशाल केन्द्र के साथ सम्बद्ध हैं। महिला शिक्षिकाओं में सबसे अधिक संख्या प्रा. पा. बाड़ेछीना केन्द्र के अन्तर्गत है। प्रा. पा. धौलनेठी केन्द्र के अन्तर्गत महिला शिक्षिकाओं की संख्या शून्य है।

९- सारणी ९ का अवलोकन करने पर पता चलता है कि प्राथमिक विद्यालय द्वाराहाट केन्द्र के अन्तर्गत ही सबसे अधिक विद्यालय हैं । महिला शिक्षकों की भी सबसे अधिक संख्या इसी केन्द्र में हैं । इस विकास खण्ड में सबसे अधिक उच्च प्रा० वि० ०४ प्रा० वि० रियोनी केन्द्र के साथ सम्बद्ध हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में केवल दो केन्द्रों से सम्बद्ध विद्यालयों में महिला शिक्षिकायें हैं । सबसे अधिक ०५ विद्यालय प्रा० वि० रियोनी के साथ सम्बद्ध हैं ।

१०- विकास खण्ड सल्ट से सम्बन्धित सारणी १० में कुल नौ केन्द्रीय विद्यालय हैं, जिसमें क्वैराला प्राथमिक विद्यालय केन्द्र के साथ २८ विद्यालय सम्बद्ध हैं । इसी केन्द्र में सबसे अधिक शिक्षक भी हैं तथा सबसे अधिक पुरूष शिक्षकों की संख्या भी इसी केन्द्र में है । इस विकास खण्ड में सभी केन्द्रों में महिला शिक्षकों की संख्या नाम मात्र की है । सबसे अधिक ०६ महिला शिक्षक क्वैराला केन्द्र में ही कार्यरत हैं । सबसे कम महिला शिक्षक (एक-एक) तीन केन्द्रों में हैं । उच्च प्राथमिक विद्यालय ०५ प्रा. वि. मठोड़ केन्द्र के साथ सम्बद्ध हैं । इस विकास खण्ड में एक मात्र केन्द्र उच्च प्रा. वि. मानिला ही है, जिसमें तीन शिक्षकायें हैं । अन्य केन्द्रों में महिला शिक्षकों की संख्या शून्य है ।

११- ताड़ीखेत विकास खण्ड से सम्बन्धित सारणी ११ के अनुसार विकास खण्ड में कुल १२ केन्द्रीय विद्यालयों में सबसे अधिक प्राथमिक विद्यालयों की संख्या केन्द्रीय प्रा. वि. जैनोली में १८ हैं । इसी केन्द्र में सबसे अधिक महिला शिक्षिकायें भी हैं । उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सबसे अधिक दो-दो विद्यालय ०७ केन्द्रों के साथ सम्बद्ध हैं । दो केन्द्रों में एक-एक व दो केन्द्रों के साथ कोई उच्च प्राथमिक विद्यालय सम्बद्ध नहीं हैं ।

१२- सारणी १२ में विकास खण्ड स्यालदे की स्थिति का विवरण है । इस विकास खण्ड में केन्द्रीय प्राथमिक विद्यालय स्यालदे में २१ हैं । सबसे अधिक ०६ महिला अध्यापिका केन्द्रीय विद्यालय देघाट के अन्तर्गत हैं । सात केन्द्रों में नौ महिला शिक्षकों की संख्या शून्य हैं । उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सबसे अधिक ०३ प्रा. वि. देघाट केन्द्र के साथ हैं यहाँ भी महिला शिक्षकों की संख्या एक मात्र प्रा. वि. देघाट में ही हैं अन्य केन्द्रों में महिला शिक्षकों की संख्या शून्य है ।

१३- सारणी १३ के अनुसार विकास खण्ड चौखुटिया में सबसे कम केन्द्रीय विद्यालय हैं । इन केन्द्रीय विद्यालयों में सबसे अधिक प्राथमिक विद्यालय प्रा. पा. चौखुटिया केन्द्र में २२ हैं । महिला शिक्षकों की संख्या सबसे अधिक इसी केन्द्र चौखुटिया में ही है । सबसे अधिक ०४ उच्च प्राथमिक विद्यालय चौखुटिया केन्द्र के साथ सम्बद्ध हैं । सम्पूर्ण विकास खण्ड में उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला शिक्षकों की सम्पूर्ण संख्या केवल दो है ।

१४- सारणी १४ भिकियासैंण विकास खण्ड की है, जिसमें कुल ११ केन्द्रीय विद्यालय हैं । सबसे अधिक प्राथमिक विद्यालय दो केन्द्रों प्रा० पा० जौनापानी तथा प्रा० पा० तकुल्टी में हैं । महिला शिक्षकों का अनुपात इस विकास खण्ड में भी कम ही हैं । सबसे अधिक ०८ शिक्षिकायें केन्द्रीय प्राथमिक विद्यालय नौला के अन्तर्गत हैं । उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सबसे अधिक संख्या ०३ दो केन्द्रों के साथ सम्बद्ध हैं । उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला शिक्षिकाओं की संख्या शून्य है ।

विश्लेषण भाग – "क"

भाग [क] के प्रदत्तों से संकेत मिलता है कि सारणी एक में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जनपद की जनसंख्या के आंकड़ों को देखते हुए जनपद में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक शिक्षा का प्रतिशत पर्याप्त नहीं है । जनपद की जनसंख्या १९९२ के अनुसार ८,२८००० थी, जबकि सम्पूर्ण प्राथमिक

व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या १७७० है। इस प्रकार हम देखते हैं कि जनपद में परिषदीय व मान्यता प्राप्त विद्यालयों का प्राथमिक शिक्षा में योगदान मात्र ०.२१% है। क्षेत्रफल के अनुसार जनपद की विशालता को देखते हुए यह योगदान कोई उत्साहवर्धक नहीं है । जनपद की सम्पूर्ण संख्या १५८२ + २३३ = १८१५ के अनुसार भी प्राथमिक शिक्षा का योगदान ०.२२% होता है। इसी प्रकार सारणी २ व ३ को देखने से भी स्पष्ट होता है कि विभिन्न विकास खण्डों में विद्यालयों की संख्या में समानता नहीं है। कहीं पर संख्या अधिक हैं तो कहीं पर बहुत कम है। केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या भी प्रत्येक विकास खण्ड में विद्यालयों की संख्या में समानता नहीं है। कहीं पर संख्या अधिक हैं तो कहीं पर बहुत कम है। केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या भी प्रत्येक विकास खण्ड में असमान है। शिक्षक/शिक्षिकाओं की समानता में भी भारी विषमतायें हैं । उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तो महिलाओं की संख्या नगण्य हैं। प्राथमिक विद्यालयों में भी महिलाओं की संख्या में भारी विषमतायें हैं । हवालबाग व ताकुला विकास खण्डों में महिला/पुरूषों की संख्या में कुछ एकरूपता है, परन्तु अन्य विकास खण्डों में भारी विषमता है। सारणी ६, ७ व ८ को देखने से यह स्पष्ट होता है कि प्राथमिक शिक्षा [ग्रामीण] में महिलाओं का प्रतिशत मात्र ३२.४५, है, जबकि पुरूषों का प्रतिशत ६७.५% है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिलाओं की स्थिति बहुत दयनीय है। वहाँ पुरूषों का प्रतिशत ८९.२३% है तो महिलाओं का केवल १०.७६% है। अनुपात के हिसाब से भी प्राथमिक शिक्षा में पुरूष व महिला शिक्षकों में २:१ है, तो वही उच्च प्राथमिक में भी यही अनुपात ३:१ का है। विकास खण्डों के अनुसार भी हवालबाग व ताकुला विकास खण्डों को छोड़कर किसी भी विकास खण्ड में महिलाओं का प्रतिशत ५०% के आसपास भी नहीं है। भिकियासैण, स्याल्दे व सल्ट विकास खण्डों में महिलाओं का प्रतिशत २० से भी कम है। सल्ट विकास खण्ड में तो महिलाओं का प्रतिशत केवल ०७.३३ है। उच्च व प्राथमिक विद्यालयों में तो भीषण विषमता है। हवालबाग विकास खण्ड को छोड़कर अन्य किसी भी विकास खण्ड में महिलाओं का प्रतिशत ३० के आसपास भी नहीं है । बागेश्वर, कपकोट, भैंसियाछाना, धौलादेवी, लमगड़ा, भिकियासैंण, स्याल्दे, सल्ट विकास खण्डों में तो १०% से भी कम महिला शिक्षक हैं, वहीं लमगड़ा विकास खण्डों में ०१.३७% हैं । अनुपात के अनुसार भी ताकुला विकास खण्ड में बराबर अनुपात है तो हवालबाग में महिला शिक्षकों का अनुपात अधिक है। सल्ट विकास खण्ड में तो १२:१ का अनुपात है। उच्च प्राथमिक वि. में हवालबाग व गरूड़ विकास खण्ड में २:१ का अनुपात है तो लमगड़ा में ७५:१ है। भिकियासैण विकास खण्ड में तो ५२:० है। इस प्रकार हम देखते हैं कि अभी भी महिलाओं का योगदान प्राथमिक शिक्षा में बहुत ही कम है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तो महिलाओं का प्रतिशत न के बराबर है। सारणी संख्या ४, ५ को देखने से ज्ञात होता है कि आज भी प्राथमिक विद्यालयों में विभिन्न आयोगों की सिफारिसों व आपरेशन ब्लैक बोर्ड निर्देशों के विरूद्ध एक शिक्षक वाले अनेक विद्यालय हैं। सम्पूर्ण जनपद में लगभग ११० विद्यालय एक शिक्षक वाले हैं। सबसे अधिक कपकोट विकास खण्ड में २२ विद्यालय एक शिक्षक वाले हैं। इस स्थिति को सोचनीय ही कहा जा सकता है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चाहे वे क्रमोतर विद्यालय हों या मान्यता प्राप्त सभी में कम से कम पांच शिक्षक होने चाहिए। परन्तु विडम्बना यह है कि ऐसे सौभाग्यशाली विद्यालय बहुत कम हैं। सारणी ५ से प्रतीत होता है कि जनपद के सभी विकास खण्डों में लगभग एक शिक्षकीय ०३, दो शिक्षकीय १४, तीन शिक्षकीय ४१ तथा चार शिक्षकीय ४९ उच्च प्राथमिक विद्यालय हैं। विकास खण्ड गरूड़, सल्ट, ताड़ीखेत तथा द्वाराहाट में कुछ

विद्यालयों में छः शिक्षक भी है। गरूड़ विकास खण्ड में एक विद्यालय सात शिक्षकों का भी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्राथमिक व उच्च प्राथमिक का शैक्षिक स्तर निश्चित रूप से प्रभावित होता होगा।

विश्लेषण भाग – "ख"

भाग "ख" की सारणियों का अध्ययन करने पर विभिन्न बिन्दुओं की ओर ध्यान आकृष्ट होता है। हवालबाग विकास खण्ड में अन्य विकास खण्डों की तुलना में शिक्षकों की संख्या विद्यालयों की संख्या को देखते हुए ठीक हैं। इस विकास खण्ड में प्राथमिक विद्यालयों में पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं की संख्या अन्य विकास खण्डों की तुलना में ठीक है। ताकुला विकास खण्ड में ९ केन्द्रीय विद्यालयों में ९९ प्रा. विद्यालय हैं। और १८ उच्च प्राथमिक वि. हैं। इस विकास खण्डों में महिला तथा पुरूष शिक्षकों की संख्या लगभग बराबर है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भी महिलाओं की संख्या औसत श्रेणी की कही जा सकती है। विकास खण्ड गरूड़ में ९ केन्द्रीय विद्यालयों में १०१ प्राथमिक तथा १३ उच्च प्राथमिक विद्यालय हैं। इतने प्राथमिक विद्यालयों में २२५ शिक्षक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में ४८ शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें प्राथमिक में ६६ महिला शिक्षक तथा उच्च प्राथमिक में १४ महिला शिक्षकायें कार्य करती हैं। इस प्रकार प्राथमिक महिलाओं का औसत भी कम ही है तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भी महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है इसी प्रकार की स्थिति लगभग अन्य विकास खण्डों में भी है। कपकोट विकास खण्ड में सबसे अधिक प्राथमिक विद्यालय हैं। कपकोट विकास खण्ड एक सीमान्त विकास खण्ड होने के कारण शैक्षिक रूप से कम विकसित है। इसी विकास खण्ड में सबसे अधिक विद्यालय एक शिक्षक वाले हैं इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि विकास खण्ड में प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। विकास खण्ड बागेश्वर में १४ केन्द्रीय विद्यालय हैं। बागेश्वर तथा कांडा केन्द्र के विद्यालयों में महिला शिक्षकों की संख्या पुरूषों से अधिक है। प्रा. वि. देवतोली केन्द्र के विद्यालयों में दोनों की संख्या बराबर है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में से अधिकांश में शिक्षकों की संख्या ठीक है, परन्तु कुछ में केवल ३ अध्यापक कार्यरत हैं। धौलादेवी विकास खण्ड में प्रा. वि. दन्या, पनुवानौला, लधोली, धौलादेवी व जागेश्वर केन्द्रों में महिलाओं का अनुपात लगभग बराबर है। जबकि अन्य केन्द्रों में महिलाओं की संख्या कम है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तो महिला शिक्षकों की संख्या नगण्य है। भैसियाछाना विकास खण्ड में प्रा. वि. बाड़ेछीना व पेटशाल केन्द्रों के विद्यालयों में महिलाओं की संख्या लगभग बराबर है। अन्य केन्द्रों में पुरूष महिला का अनुपात असामान्य है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिला शिक्षकों की संख्या केवल तीन है। विकास खण्ड द्वाराहाट में १० केन्द्रों के अन्तर्गत प्रा. पा. द्वाराहाट, उम्याड़ी तथा रियोनी, केन्द्रों में ही महिला पुरूष का अनुपात लगभग बराबर है। जबकि अन्य केन्द्रों में दोनों के अनुपात में अन्तर हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या को देखते हुए महिला शिक्षकों की संख्या केवल ९ है जो सन्तोषजनक नहीं है। ताड़ीखेत में कुल २२ केन्द्रीय विद्यालय हैं, इनमें प्रा. वि. चिलियानौला में महिलाओं की संख्या पुरूषों से अधिक है। प्रा. वि. ताड़ीखेत व जैनोली केन्द्रों में दोनों की संख्या लगभग बराबर हैं। उच्च प्राथमिक में केवल ५ शिक्षकायें कार्यरत हैं। सल्ट, स्याल्दे व चौखुटिया विकास खण्डों में लगभग एक जैसी स्थिति है। विद्यालयों की संख्या के अनुरूप महिला शिक्षकों का अनुपात बराबर नहीं है। सभी विकास खण्डों में महिला शिक्षकों स्थिति बहुत कमजोर है। स्याल्दे एवं भिकियासैण खण्डों में तो महिला शिक्षकों की संख्या बहुत कम है। भिकियासैण में तो संख्या शून्य है, जबकि चौखुटिया में केवल २ महिलायें हैं। स्याल्दे व सल्ट विकास खण्डों में यह संख्या क्रमशः ५ व ३ है। लमगड़ा विकास खण्ड में प्रा. पा. लमगड़ा व शहरफाटक केन्द्रों में महिलाओं की संख्या क्रमशः १३ व १५ है जो लगभग बराबर है। प्रा. पा. ढौरा केन्द्रों पर महिलाओं की संख्या का अनुपात पुरूषों से अधिक हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिलाओं की संख्या केवल एक है, जो सोचनीय है।

परिणाम भाग 'क' तथा भाग 'ख' के विश्लेषण से ज्ञात होता कि :—

१- जनपद के क्षेत्रफल एवं जनसंख्या के अनुरूप प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या में कमी है ।

२- प्रत्येक विकास खण्डों में विद्यालयों की संख्या, शिक्षक व शिक्षिकाओं की संख्या के प्रतिशत व अनुपात में एक रूपता नहीं है ।

३- हवालबाग विकास खण्ड प्रत्येक क्षेत्रों में अन्य विकास खण्डों से आगे है ।

४- महिला शिक्षकों का प्रतिशत केवल हवालबाग विकास खण्ड को छोड़कर अन्य विकास खण्डों में ५०% से कम है ।

५- जनपद मुख्यालय से लगे हुए विकास खण्डों, मुख्यालय के निकट के विद्यालयों, तहसील मुख्यालय के निकट के विद्यालयों, एवं केन्द्रीय तथा टाउन या कस्बों के निकट विद्यालयों में महिलाओं की संख्या अधिक है ।

६- जनपद मुख्यालय से दूर के विकास खण्ड में महिला शिक्षकों की संख्या बहुत कम है ।

७- विकास खण्ड स्याल्दे, सल्ट, भिकियासैंण, चौखुटिया में विशेषकर महिलाओं का प्रतिशत कम है ।

८- जनपद के सीमान्त विकास खण्डों में एक शिक्षक वाले विद्यालयों की संख्या अधिक हैं ।

९- उच्च प्राथमिक विद्यालयों में महिलाओं की भागीदारी नगण्य हैं ।

१०- सुविधाजनक विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या अधिक है ।

११- उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अधिकांश ५ अध्यापक नहीं हैं । विशेषकर क्रमोतर विद्यालयों में तीन-तीन शिक्षक कार्यरत हैं । अतः एक ही मापदण्ड शिक्षकों की नियुक्ति का होना चाहिए ।

१२- सुविधाजनक उच्च प्राथमिक विद्यालयों में ५ से अधिक शिक्षक भी कार्यरत हैं ।

१३- मोटर मार्ग के किनारे के विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या अधिक है ।

१४- अधिकांश एक शिक्षक के विद्यालय मोटर मार्ग से दूर स्थित हैं ।

१५- केन्द्रीय विद्यालयों का संगठन भी दोषपूर्ण है किसी केन्द्र के अन्दर बहुत से विद्यालयों को रखा गया है तो किसी में बहुत कम ।

१६- विकास खण्ड कपकोट में सबसे अधिक विद्यालय व शिक्षक होने के बावजूद एक शिक्षक वाले अधिक विद्यालय हैं ।

१७- विकास खण्ड कपकोट के अन्तर्गत अधिकांश उच्च प्राथमिक विद्यालय पाँच से कम शिक्षकों वाले हैं ।

निष्कर्ष :- सर्वेक्षण कार्य के परिणामों का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि –

१- ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति संख्यात्मक रूप से उतनी सुदृढ़ नहीं है जितनी जनसंख्या के अनुरूप होनी चाहिए । अतः परिकल्पना एक की पुष्टि होती है ।

२- "आपरेशन ब्लैक बोर्ड" के सुझावों व निर्देशों के अनुरूप शिक्षकों की संख्या अभी भी नहीं है । विशेषकर महिला शिक्षकों के सम्बन्ध में परिकल्पना दो की पुष्टि होती है ।

३- विभिन्न आयोगों व निर्देशों के अनुरूप प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था में अनेक कमियाँ हैं। जिससे परिकल्पना तीन की पुष्टि होती है।

४- शिक्षकों की कमी विशेषकर उच्च प्राथमिक विद्यालयों में होने से निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा का स्तर गिरा है। भले ही संख्यात्मक रूप से वृद्धि हुई है, परन्तु गुणात्मक रूप से कमी आयी है। प्राथमिक विद्यालयों में भी गुणात्मक सुधार की आवश्यकता है। इस प्रकार परिकल्पना चार की पुष्टि होती है।

आगामी सर्वेक्षण/शोध कार्य लिए दिशानिर्देश —:

१- प्रयुक्त सर्वेक्षण प्रपत्र में सुधार की आवश्यकता है। प्रत्येक विद्यालय के अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को भी सम्मिलित कर सर्वेक्षण कार्य और अधिक सार्थक होगा। छात्र छात्राओं में अनुसूचित व अनुसूचित जन जातियों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए।

२- आँकड़ों की प्रगति को यथा सम्भव पूर्ण रूप से प्राप्त करने के लिए कार्यालय अभिलेख व सम्बन्धित निरीक्षकों का सहयोग अधिक उपयोगी होगा। इससे व्यय में भी कमी आयेगी।

योजना एवं प्रबन्ध विभाग,
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,
अल्मोड़ा.

दुर्गा प्रिंटिंग प्रेस, चौक बाजार अल्मोड़ा।

NIEPA DC
D08831

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No. D-8831
Date 28-09-95